शॉर्ट न्यूज़: 14 मार्च, 2022

sanskritiias.com/hindi/short-news/14-march-2022

राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन

काले गर्दन वाला सारस (ब्लैक नेक क्रेन)

राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन

चर्चा में क्यों

पर्यटन मंत्रालय द्वारा 'राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन' की स्थापना के उद्देश्य से वर्ष 2021 में गठित एक अंतर-मंत्रालयी टॉस्क फोर्स ने एक मसौदा रिपोर्ट तैयार की है। पर्यटन मंत्रालय ने इस पर हितधारकों से सुझाव व टिप्पणियाँ आमंत्रित किया है।

प्रमुख बिंदु

- पर्यटन मंत्रालय ने इस टास्क फोर्स का गठन पर्यटन उद्योग एवं संबंधित विशेषज्ञों के साथ परामर्श करने, इसके संदर्भ, मिशन, दृष्टिकोण, उद्देश्य और राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन के व्यापक दायरे को परिभाषित करने के लिये किया था।
- प्रायः देखा जाता है कि केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी क्षेत्र द्वारा विकसित अधिकांश पर्यटन प्रणालियां एक सीमित दायरे में कार्य करती हैं। इसलिये, पर्यटन पारिस्थितिकी-तंत्र सूचना के आदान-प्रदान के संयुक्त लाभों को प्राप्त करने में असमर्थ है।
- इसके अतिरिक्त, समुचित डाटा प्रणाली विनिमय का अभाव है, जिसे दूर करने के लिये विभिन्न हितधारकों के बीच निर्बाध मानकीकृत डाटा विनिमय की आवश्यकता है।
- राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन का दृष्टिकोण एक डिजिटल राजमार्ग के माध्यम से पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र के विभिन्न हितधारकों के बीच मौजूदा सूचना अंतराल को कम करना है।

काले गर्दन वाला सारस (ब्लैक नेक क्रेन)

चर्चा में क्यों

लद्दाख में काले गर्दन वाले सारस नृत्य करते हुए देखे जा रहे हैं, जो पर्यटन के लिये विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

प्रमुख विशेषताएँ

- वर्ष 1876 में रूसी सैन्य कमांडर/ खोजकर्ता निकोले प्रेज़ेवाल्स्की ने इस प्रजाति के बारे में वर्णन कर इसे वैज्ञानिक मान्यता प्रदान किया।
- पहाड़ों में रहने वाले यह एकमात्र सारस हैं, जो प्रायः दलदल, झीलों और नदियों के समीप देखे जाते हैं।
- ये मुख्य रूप से तिब्बत पठार के दूरदराज इलाकों में निवास करते हैं।

- यह प्रजाति मार्च के अंत में लद्दाख की नदियों और झीलों से सटे दलदलों में प्रजनन करती है।
- चुशुल (लद्दाख) के लोगों के अनुसार, यह प्रजाति एक वर्ष में बार-हेडेड गीज़ और अगले वर्ष में सारस को जन्म देती है।
- हिमालय के शीत और ग्रीष्म मैदानों के बीच प्रवास करने वाली यह एकमात्र सारस प्रजाति है।
- प्रति वर्ष अपने प्रवास के दौरान ये एक ही स्थान पर घोंसला बनाते हैं, इसलिये लद्दाख में इनके मात्र 18 आवास स्थल हैं।
- अक्तूबर तक कुछ युवा सारस अपने माता-पिता के साथ अपने पूर्वी सर्द सीमा में अरुणाचल प्रदेश की संगती और जेमिथांग घाटियों में चले जाते हैं।

साथ में नृत्य

- विशाल भूरे और काले पंखों को फड़फड़ाते हुए तथा अपने लाल-मुकुट वाले काले सिरों को उछालते तथा आकाश में तूर्यनाद करते हुए ये नर और मादा एक साथ नृत्य करते हैं। कभी-कभी प्रजनन के मौसम में भी नृत्य और तूर्यनाद जारी रखते हैं।
- पूर्वी लद्दाख क्षेत्र के चंगपा चरवाहों का मानना है कि इन पक्षियों को देखने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

हिंसक प्रवृत्ति

- असुरक्षा की स्थिति में ब्रूडिंग (अंडे सेने वाली) सारस खतरनाक हो सकती हैं। यहाँ तक कि ऐसी स्थिति में ये याक या पश्मीना बकरियों के झुंड का भी पीछा करती हैं।
- सारस के आहार में सेज कंद से लेकर छोटे जानवरों, जैसे- पीका इत्यादि शामिल है।